वशि्व वायु गुणवत्ता रपिोर्ट 2024

[स्रोत: डाउन टू अर्थ]

स्वसि कंपनी IQAir द्वारा जारी **वशि्व वायु गुणवत्ता रपिोर्ट 2024** के अनुसार **भारत** वशि्व में **5वाँ सर्वाधकि प्रदूषति देश है।**

वशि्व वायु गुणवत्ता रपिोर्ट संबंधी मुख्य नष्किर्ष क्या हैं?

- **भारत:** भारत **वर्ष 2024 में 5वाँ सर्वाधकि प्रदूषति** देश है, जो **वर्ष 2023** के तीसरे स्थान से नगण्य सुधार को दर्शाता है।
  - **प्रदूषति शहर:** दल्लिी वशि्व स्तर पर **सर्वाधकि प्रदूषति राजधानी** बनी हुई है, जहाँ पार्टकिुलेट मैटर (PM) 2.5 की सांद्रता 91.6 **µg/m³** (माइक्रोग्राम प्रतघिन मीटर) है।
    - वशि्व के 10 सर्वाधकि प्रदूषति शहरों में से 6 और शीर्ष 20 में से 13 शहर भारत में हैं, जसिमें **बर्नीहाट (असम-मेघालय सीमा) 128.2 µg/m³** की **PM2.5 सांद्रता के साथ** सूची में सर्वाधकि प्रदूषति शहर है।
      - अन्य प्रदूषति शहरों में **मुल्लांपुर** (पंजाब), गुरुग्राम, **फरीदाबाद** , भवािड़ी और **नोएडा** शामलि हैं।
  - **PM 2.5 में कमी:** भारत में वर्ष 2024 में PM2.5 के स्तर में **7% की कमी** देखी गई, जो औसतन **50.6 µg/m³** थी, जो वर्ष 2023 में **54.4 µg/m³** से कम है।
    - हालाँकि, यह अभी भी [वशि्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)] द्वारा **अनुशंसति 5 µg/m³ की सुरक्षति सीमा** से **10 गुना अधकि** है। **35% भारतीय शहरों** में PM2.5 का स्तर इस सीमा से अधकि पाया गया।
  - **प्रदूषण के स्रोत:** प्रमुख योगदानकर्त्ताओं में **वाहन उत्सर्जन, औद्योगकि प्रदूषण** और [बायोमास] **दहन** शामलि हैं।
    - **उत्तर भारत में प्रदूषण का स्तर अत्यधकि था, जहाँ PM2.5 के स्तर में 60 प्रतशित** योगदान पराली जलाने का था।
- **वैश्वकि:** वार्षकि औसत PM2.5 स्तर के अनुसार सबसे प्रदूषति देश चाड (91.8 µg/m³), बांग्लादेश (78 µg/m³), पाकस्तिान (73.7 µg/m³) और कांगो (58.2 µg/m³) हैं।
  - रपिोर्ट में बताया गया है कि **वशि्व की अधकिांश आबादी** प्रदूषति वायु में साँस ले रही है, **केवल 12 देशों, क्षेत्रों या प्रदेशों** में PM 2.5 सांद्रता **वशि्व स्वास्थ्य संगठन की अनुशंसति सीमा** से कम है।

वायु प्रदूषण

- **वायु प्रदूषण, रासायनकि, भौतकि या जैवकि कारकों** द्वारा वायु का संदूषण है **जो इसकी प्राकृतकि संरचना को बदल** देता है।
  - प्रमुख स्रोतों में दहन, वाहन, उद्योग और आग शामलि हैं। PM, CO, O_3, NO_2 और SO_2 जैसे प्रदूषक श्वसन संबंधी बीमारियों और उच्च मृत्यु दर का कारण बनते हैं।
- वशि्व स्वास्थ्य संगठन की रपिोर्ट के अनुसार **वशि्व की 99% आबादी प्रदूषति हवा में साँस** लेती है तथा **नम्नि और मध्यम आय वाले देश** इससे सबसे अधकि प्रभावति हैं।
  - [illegible] के अनुसार, लंबे समय तक PM 2.5 के संपर्क में रहने से **भारत में जीवन प्रत्याशा 5.2 वर्ष कम** हो जाती है और यह कारक **वर्ष 2009 से 2019 के बीच होने वाली 1.5 मलियिन वार्षकि मौतों** से संबंधति है।
- **वशि्व स्वास्थ्य संगठन के** [वायु गुणवत्ता दशिानरि्देश (AQG)] का उद्देश्य वायु प्रदूषण कम करने एवं लोक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करना है।

Recommended 2021 AQG levels compared to 2005 air quality guidelines

Pollutant	Averaging Time	2005 AQGs	2021 AQGs
$PM_{2.5}$, $\mu g/m^3$	Annual	10	5
	24-hour[a]	25	15
PM_{10}, $\mu g/m^3$	Annual	20	15
	24-hour[a]	50	45
O_3, $\mu g/m^3$	Peak season[b]	-	60
	8-hour[a]	100	100
NO_2, $\mu g/m^3$	Annual	40	10
	24-hour[a]	-	25
SO_2, $\mu g/m^3$	24-hour[a]	20	40
CO, mg/m^3	24-hour[a]	-	4

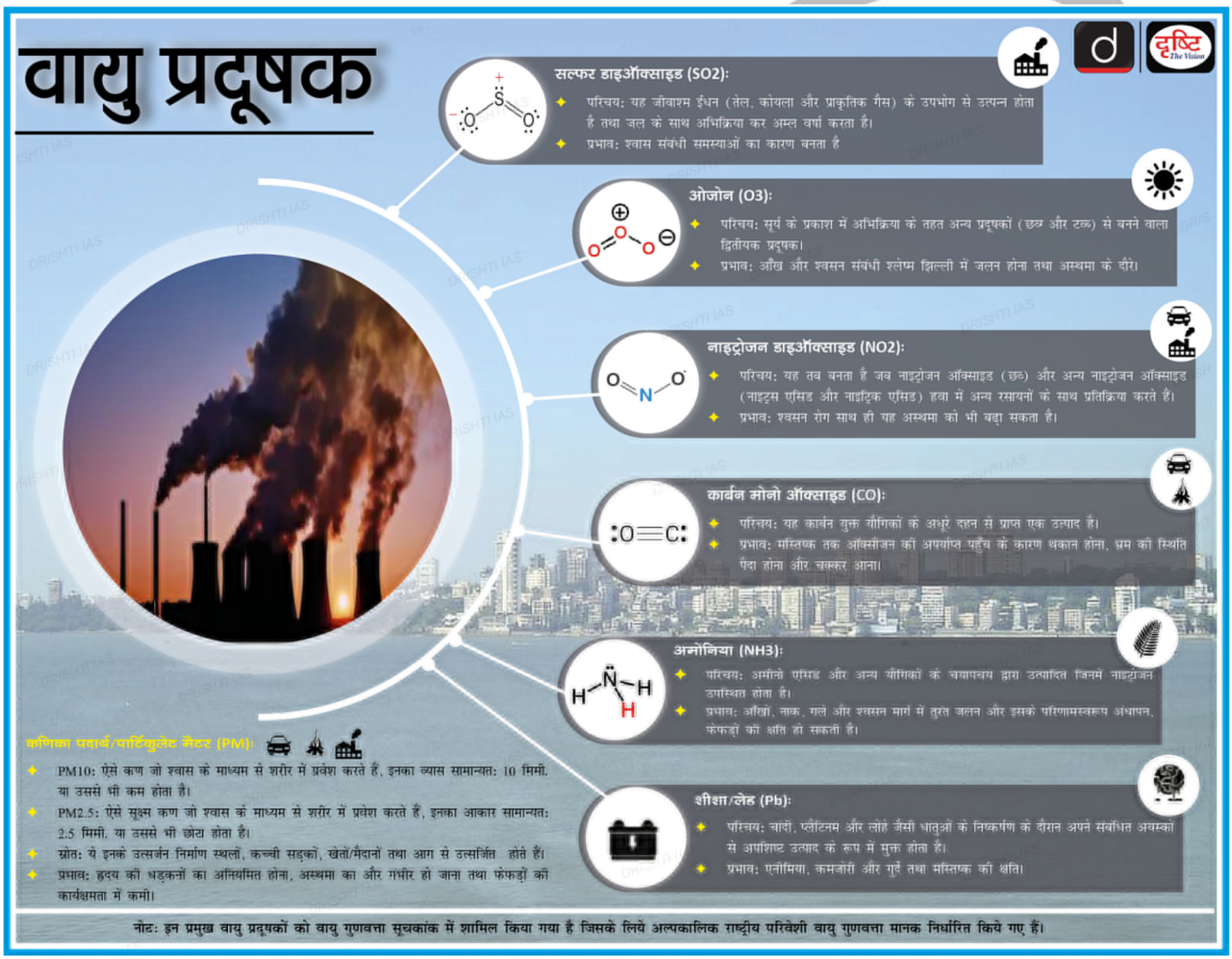

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न: हमारे देश के शहरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक के मूल्य की गणना में सामान्यतः निम्नलिखित में से किस वायुमंडलीय गैस को ध्यान में रखा जाता है? (2016)

1. कार्बन डाइऑक्साइड
2. कार्बन मोनोऑक्साइड
3. नाइट्रोजन डाइऑक्साइड
4. सल्फर डाइऑक्साइड
5. मीथेन

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर के सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 4 और 5
(d) 1,2,3,4 और 5

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा हाल ही में जारी संशोधित वैश्विक वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों (AQGs) के प्रमुख बिंदुओं का वर्णन करें। ये वर्ष 2005 में इसके पिछले अद्यतन से किस प्रकार भिन्न हैं? संशोधित मानकों को प्राप्त करने के लिये भारत के राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में क्या बदलाव आवश्यक हैं? (2021)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-air-quality-report-2024